

भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4631
गुरुवार, दिनांक 31 मार्च, 2022 को उत्तर दिए जाने हेतु

परियोजनाओं के लिए विदेशी सहयोग और वित्तपोषण

4631. श्री गोपाल शेट्टी: क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
- (क) क्या सरकार ने गत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान विदेशी सहयोग और वित्तपोषण से शुरू की गई विभिन्न नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के संबंध में कोई अध्ययन किया है;
- (ख) यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार का विचार देश में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के दोहन की दृष्टि से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी शुरू करने का है;
- (घ) यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ङ) उक्त अवधि के दौरान देश में लागू नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और
- (च) ऐसी परियोजनाओं के लिए वर्ष-वार और राज्य-वार कितनी धनराशि उपलब्ध कराई गई है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

- (क) और (ख): नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान विदेशी सहयोग और निधिकरण से शुरू की गई नवीन और अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं पर कोई अध्ययन नहीं किया है।

तथापि, विभिन्न द्विपक्षीय/बहुपक्षीय एजेंसियों के साथ तकनीकी सहायता कार्यक्रमों के तहत संचालन समिति/संयुक्त कार्य समूहों द्वारा ऐसी परियोजनाओं की समीक्षा की जाती है।

- (ग) से (च): नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा नई बैटरी प्रौद्योगिकियों सहित नवीन एवं अक्षय ऊर्जा के व्यापक अनुप्रयोगों के लिए देशभर में कार्यक्षम और किफायती तरीके से स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और निर्माण को संभव बनाने के लिए विभिन्न अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के माध्यम से "अक्षय ऊर्जा अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम" नामक एक योजना में सहायता प्रदान की जाती है।

मंत्रालय द्वारा उद्योग के सहयोग से अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास के प्रस्तावों को बढ़ावा दिया जाता है और ऐसे प्रस्तावों के लिए सरकारी/गैर-लाभ अर्जक अनुसंधान संस्थाओं को 100 प्रतिशत तक तथा उद्योग, स्टार्ट-अप, निजी संस्थानों, उद्यमियों और निर्माण इकाइयों को 50 से 70 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान पूरी की गई अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के साथ-साथ अब तक स्वीकृत और जारी की गई राशि का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा अनुलग्नक में संलग्न है।

‘परियोजनाओं के लिए विदेशी सहयोग और वित्तपोषण’ के संबंध में पूछे गए दिनांक 31.03.2022 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 4631 के भाग (ग) से (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में सरकार द्वारा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में स्वीकृत की गई/कार्यान्वित की जा रही अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) परियोजनाओं का ब्यौरा

क्र. सं.	वर्ष	राज्य	परियोजना का शीर्षक	प्रधान अन्वेषक और कार्यान्वयन एजेंसी का नाम	स्थान	कुल स्वीकृत लागत (लाख रु. में)	जारी कुल निधियां (लाख रु. में)	परियोजना की स्थिति
1	2016	महाराष्ट्र	राष्ट्रीय प्रकाश वोल्टीय अनुसंधान एवं शिक्षा केन्द्र (एनसीपीआरई) चरण-II	प्रो. बी जी फर्नांडिस और प्रो. सी एस सोलंकी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई	मुंबई	6235	5799	जारी
2.	2017	हरियाणा	उच्च दक्षता (21% / 19%) पीईआरसी टाइप सी-सिलिकॉन / एमसी-सिलिकॉन सौर सेलों का विकास	1. डॉ. बी के पंत, बीएचईएल – एएसएससीपी, ग्वालपहाड़ी, गुरुग्राम 2. डॉ. ए के त्रिपाठी, महानिदेशक, नाइस, ग्वालपहाड़ी, गुरुग्राम	गुरुग्राम	2628	2440	जारी
3.	2017	नई दिल्ली	सौर सेलों के केलिब्रेशन के लिए राष्ट्रीय प्राथमिक मानक सुविधा	डॉ. वंदना, सीएसआईआर-एनपीएल सह-प्रमुख अन्वेषक: 1. डॉ. प्रथाप पाथी, सीएसआईआर-एनपीएल, 2. श्री सीएमएस रौथान, सीएसआईआर-एनपीएल, 3. डॉ. एस के श्रीवास्तव, सीएसआईआर-एनपीएल, 4. डॉ. ए. त्रिपाठी, नाइस	नई दिल्ली	1788.5	1429	जारी
4.	2017	नई दिल्ली	व्यावसायीकरण प्रौद्योगिकी के लिए बायोगैस उत्पादन हेतु धान की भूसी को अलग करने के लिए उपयुक्त प्रि-ट्रीटमेंट सिस्टम का विकास	प्रो. (डॉ.) विरेन्द्र कुमार विजय, सीआरडीटी, आईआईटी दिल्ली	नई दिल्ली	49.77	37.00	जारी
5.	2018	मध्य प्रदेश	24 x 7 तापीय ऊर्जा भंडारण के साथ समेकित मेगावाट समतुल्य स्केल पर केन्द्रित सौर तापीय संयंत्र के व्यवहार्यता अध्ययन के उद्देश्य से 40 किलोवाट थर्मल और 10 किलोवाट इलेक्ट्रिक प्रायोगिक संयंत्र का सिस्टम डिजाइन, स्थापना,	डॉ. विनोद कृष्ण सेठी, आरकेडीएफ विश्वविद्यालय	भोपाल	81.50	35.00	पूर्ण

			निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग।					
6.	2018	तमिलनाडु	देश में अपतटीय पवन के विकास को आगे बढ़ाने के लिए खंभात की खाड़ी और मन्नार की खाड़ी में मौसम-महासागर मापन (पवन, तरंग, ज्वार, प्रवाह, जल स्तर, इत्यादि)।	राजेश कात्याल, राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान, चेन्नई	चेन्नई	4464	2000	जारी
7.	2018	तमिलनाडु	मानचित्रण और मापन के माध्यम से समेकित पवन और सौर संसाधन आकलन	राजेश कात्याल, राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान, चेन्नई	चेन्नई	1799	1302	जारी
8.	2018	उत्तर प्रदेश	हाइड्रोजन उत्पादन के लिए पीईसी, वॉटर स्प्लिटिंग क्षमता बढ़ाने के लिए नोवल सेमिकंडक्टर पर अध्ययन	प्रो. साहब दास, दयालबाग शैक्षिक संस्थान, दयालबाग	आगरा	349.82	289	जारी
9.	2019	महाराष्ट्र	फ्लेक्सिबल पर्वोस्काइट सोलर सेल और इंटरमीडीएट मॉड्यूल	प्रो. शाइबल के सरकार, आईआईटी मुंबई	मुंबई	830	668	जारी
10.	2019	हरियाणा	'उच्च दक्षता सौर जल पंपिंग प्रणालियों' का डिजाइन और विकास	महानिदेशक, नाइस, डॉ. चंदन बेनर्जी, उप महानिदेशक, नाइस	गुरुग्राम	485	231	जारी
11.	2019	तेलंगाना	उच्च स्वदेशी सामग्री के साथ 20 किलोवाट लो टेम्परेचर पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट मेम्ब्रेन (एलटी-पीईएम) ईंधन सेल का डिजाइन और विकास	डॉ. एन. राजालक्ष्मी, इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउंडर मेटलर्जी एंड न्यू मटीरियल्स (एआरसीआई)	बालापुर	1774	11.22	जारी
12.	2020	उत्तराखंड	सौर अनुप्रयोगों (सोलर लैंटर्न, सोलर होम लाइट) के लिए उच्च निष्पादन सुपरकैपेटरियों का डिजाइन और विकास	डॉ. एस. पी. गैरोला, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास एकक, उत्तरांचल विश्वविद्यालय	देहरादून	66	40	जारी
